Title: Need to install a statue of Buddha in Parliament House Complex.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान एक महत्वपूर्ण विाय की ओर आकर्ति करना चाहता हूं। महात्मा गौतम बुद्ध ने दुनिया को शांति का संदेश दिया। उन्होंने "युद्ध नहीं बुद्ध" का पाठ पूरी दुनिया को सिखाया। आज से 2500 वर्ा पहले उन्होंने "बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय" का नारा दिया। वह समय था जब भारत में लोकतंत्र पैदा हुआ। हमें अमेरिका या इंग्लैंड को जनतंत्र सिखाने की आवश्यकता नहीं है। भारत ने दुनिया को लोकतंत्र सिखाया है। आज पूरी दुनिया को शांति और अहिंसा की आवश्यकता है।

अध्यक्ष महोदय : सदन में भी आवश्यकता है।

श्री रामदास आठवले :मैं मांग करता हूं कि जिस तरह से बसवेश्वर महाराज, शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी जी की प्रतिमाएं लगाई गयी हैं उसी तरह से महात्मा बुद्ध की प्रतिमा पार्लियामेंट के परिसर में लगनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान) अगर यहां बुद्ध की प्रतिमा लगेगी तो बुश को मालूम हो जाएगा कि शांति क्या है। इसलिए पूरी दुनिया को शांति सिखाने के लिए संसद के अंदर और बाहर बुद्ध की प्रतिमाएं होनी चाहिए, यह हमारी आपसे और भारत सरकार से मांग है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुाुमा स्वराज) : अध्यक्ष जी, यह संसदीय कार्य मंत्री के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। आप बहुत सही व्यक्ति को संबोधित करके कह रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी पाठासीन हैं। जनरल परपजेज कमेटी में ले जाकर, उस पर निर्णय करने का अधिकार भी अध्यक्ष जी को है। मैं आपके स्वर में स्वर मिलाकर बात कर रही हूं।

श्री रामदास आठवले : यह पूरे सदन की मांग है।

अध्यक्ष महोदय : इसका जो खर्चा होगा, वह सब रामदास जी करेंगे। स्टेचू का खर्चा भी आप करेंगे।

श्री राम विलास पासवान : हम दे देंगे।

अध्यक्ष महोदय : आपसे नहीं, मैंने रामदास आठवले जी को कहा है।

श्री रामदास आठवले : सर, दे देंगे।